गोल्डन जैकाल

- हाल ही में किए गए एक नागरिक विज्ञान अध्ययन ने अनुमान लगाया है कि केरल में गोल्डन जैकाल्स की आबादी 20,000 से 30,000 के बीच ही बची है।

Search THE HINDU

HOME / NEWS / INDIA / ANDHRA PRADESH

Golden jackal faces threat in its habitat

Destruction of mangrove cover in Bandar Reserve Forest may trigger man-animal conflict

Published - July 16, 2018 01:08 am IST - MACHILIPATNAM

T. APPALA NAIDU

READ LATER PRINT

A golden jackal in search of prey outside its habitat in the Bandar Reserve Forest area.

Destruction of mangrove cover in the Bandar Reserve Forest is forcing the golden jackal (Canis aureus) out of its habitat, triggering a conflict with the local communities.

गोल्डन जैकाल के बारे में:

- **गोल्डन जैकाल (सामान्य सियार):** यह एक मध्यम आकार का भेड़िया जैसा कैनिड है।
- **वास:** यह मानव निवास वाले क्षेत्रों में पूर्णतः रात्रिचर होता है, लेकिन अन्य स्थानों पर आंशिक रूप से दिनचर भी हो सकता है।
- **आश्रय:** ये गुफाएं खोदते हैं या चट्टानों में दरारों का उपयोग करते हैं, और कभी-कभी अन्य जानवरों द्वारा खोदी गई गुफाओं का भी उपयोग करते हैं।
- **प्रवृत्ति:** गोल्डन जैकाल जोड़े में रहते हैं और **पूर्णतः एक पत्नीक** होते हैं।
- **आहार:** ये सर्वाहारी होते हैं, जिनका आहार काफी विविध होता है और यह अवसरवादी भोजन-खोजी होते हैं।

निवास स्थान और वितरण:

- **निवास स्थान:** ये घाटियों, नदियों, सहायक नदियों, नहरों, झीलों और समुद्र तटों में प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं।

- **वितरण:** उत्तरी और पूर्वी अफ्रीका, दक्षिण-पूर्वी यूरोप, दक्षिण एशिया, और बर्मा से लेकर भारत के विभिन्न हिस्सों तक फैले हुए हैं।
- **भारत में वितरण:** हिमालय की तलहटी से लेकर पश्चिमी घाट तक, गोल्डन जैकाल का व्यापक वितरण है।

संरक्षण की स्थिति:

- **IUCN:** कम चिंता (Least Concern)
- **CITES:** परिशिष्ट III
- **वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972:** अनुसूची I